भजन

तर्ज–जिंदगी की न टूटे लड़ी

बीती जाये उमरिया तेरी, याद कर ले घड़ी दो घड़ी
सांसों का ना कोई भरोसा, तूने सोचा उमर है पड़ी

1–जीवन पाकर ना नाम लिया, इस जीवन का पाना भी क्या
नाम की गर कमाई न की, झूठे धन का कमाना भी क्या
मझदार में नैया तेरी, याद कर ले घड़ी दो घड़ी

2–भाई बंधु व माता पिता, सब रिश्ता है मतलब का
पाप दिन रात तू कर रहा, साथ देगा ना कोई तेरा
सर पर पापों की गठरी धरी, याद कर ले घड़ी दो घड़ी

3–झूमता फिर रहा बेखबर, ना रहेगा है जिसपे गुमां
ये यौवन जवानी तेरी, चंद रोज के है मेहमां
चंद रोज है जिन्दगी तेरी, याद कर ले घड़ी दो घड़ी

4–वक्त हैँ तेरा अब भी संभल, वरना आखिर तू पछताएगा
नाम के रंग में रंग ले तू मन, जो काम तेरे आऐगा
राज महिमा है सबसे बड़ी, याद कर ले घड़ी दो घड़ी